



न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय मूल के जय आयरलैंड से एकदिवसीय खेलते दिखेंगे

मुम्बई । भारतीय मूल के राजस्थान में जन्मे क्रिकेटर जय मूंदड़ा अब आयरलैंड क्रिकेट टीम से खेलते नजर



आयेंगे। जय को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए आयरलैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। जय का जन्म राजस्थान में हुआ था पर पढ़ाई के लिए वह आयरलैंड चले गए थे। जय का सपना क्रिकेटर बनना था जो अब पूरा होता दिख रहा है। कुछ समय पहले ही जय ने आयरलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही शानदार प्रदर्शन कर दो मैचों में 5 विकेट लिंते थे, जिससे आयरलैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत हासिली की थी। इस प्रदर्शन के बल पर अब उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। यदि जय अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अपना वनडे डेब्यू करते हैं, तो वह आयरलैंड के लिए एकदिवसीय खेलने वाले दूसरे भारतीय मूल के क्रिकेटर बन जाएंगे। आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच 5 से 14 अगस्त के बीच पांच मुकाबलों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए आयरलैंड ने अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस सीरीज में कप्तान पाल स्टर्लिंग भी वापसी कर रहे हैं, जो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान लगी चोट से उबर चुके हैं। जय मूंदड़ा के अलावा, बेन कैलिट्ज और बायरन मैकडोनो को भी उनके हालिया शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। कैलिट्ज भी जय मूंदड़ा के साथ भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत का हिस्सा थे। हालांकि, चोटों के कारण आयरलैंड को इस सीरीज में कई अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना होगा। तेज गेंदबाज जोश लिटिल, मैट हालैंड, क्रैग यंग, बैरी मैकाथी, जार्डन नील और डेविड डेलानी जैसे प्रमुख खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, जिससे टीम को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पांच मुकाबलों की यह एकदिवीसय सीरीज 5 अगस्त को ब्रेडी में शुरू होगी, जहां 7 अगस्त को दूसरा मैच भी खेला जाएगा। शेष तीन मुकाबले 10, 12 और 15 अगस्त को स्टार्मोंट में खेले जाएंगे। यह सीरीज नए नियुक्त हेड कोच गैरी विल्सन के लिए भी पहला महत्वपूर्ण असाइनमेंट होगी।

आशुतोष के नाम है घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई । टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक की बात करे तो अधिकतर प्रशंसकों की नजरें आक्रामक



आलराउंडर युवराज सिंह की ओर जाती हैं पर ये सही नहीं घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड युवराज नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के नाम है। आशुतोष ने साल 2023 को सेयद मुश्ताक अली ट्राफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए यह ऐतिहासिक रिकार्ड अपने नाम किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने केवल 11 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था। इस के साथ ही आशुतोष भारत के लिए सबसे तेज टी20 अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। इस पारी के दौरान आशुतोष ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्के लगाये जिससे विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं मिला। उनकी इस विस्फोटक पारी से रेलवे ने एक विशाल स्कोर बनाया। उनकी यह पारी टी20 फार्मेट की तेजी और अनिश्चितता का बेहतरीन उदाहरण है, जहां कोई भी बल्लेबाज किसी भी पल मैच का रुख पलट सकता है।

एशेज में वापसी कर सकते हैं स्टोवस: मैकडोनाल्ड

मेलबर्न । आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दावा किया है कि हाल में टेस्ट क्रिकेट से



संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोवस अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में वापसी कर सकते हैं। स्टोवस ने पिछले महीने न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के बाद अचानक ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनके टीम में नहीं रहने से इंग्लैंड को करारा झटका लगा है। मैकडोनाल्ड ने हालांकि कहा कि उनके पास स्टोवस के अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है पर उनका आकलन है कि इंग्लैंड प्रबंधन इस पूर्व कप्तान को वापसी के लिए मनाएगा। इसलिए अगर स्टोवस एशेज 2027 के लिए वापसी करते हैं तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। आस्ट्रेलियाई कोच ने कहा, अगर वह संन्यास से वापसी करें और एक और एशेज खेलें, तो यह अच्छा रहेगा। उसकी वापसी काफी चर्चाओं में रहेगी। उन्होंने साथ ही कहा, अगर आप उस सीरीज रोमांच बनाना चाहते हैं, तो शायद आप यही चाहेंगे कि वह संन्यास से वापसी करें। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं होगा जब स्टोवस ने संन्यास से वापसी की हो। 2022 में, वह इंग्लैंड के लिए 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप खेलने के लिए एकदिवसीय से वापस लौटे थे पर टीम अपना खिताब बनाने में असफल रही थी। स्टोवस अभी इंग्लैंड की घरेलू 50-ओवर प्रतियोगिता में डरहम के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने लगातार नाबाद 108 और 73 रन की प्रभावशाली पारियां खेली हैं।

नईदुनिया

रैना बोले, अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से अच्छा फील्डर बना

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना अपनी बल्लेबाजी के साथ ही बेहतरीन फील्डिंग के लिए भी जाने जाते हैं।रैना के अनुसार अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से ही वह एक एक बेहतर फील्डर बने थे। रैना का मानना है कि लगातार अभ्यास की एक मजबूत संस्कृति भारतीय क्रिकेट में हैं जिससे सभी को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी ट्रेनिंग के लिए निर्धारित समय से आधा घंटा पहले मैदान पर पहुंच जाते थे, क्योंकि उनके सत्र को शुरुआत हमेशा फील्डिंग से होती थी। यह आज की तरह मात्र कुछ कैच पकड़कर समाप्त होने वाला सत्र नहीं था, बल्कि इसमें हाई कैच, ग्राउंडफील्डिंग, स्लिप कैच और पैरलल कैच जैसे विभिन्न अभ्यास शामिल होते थे। वह उत्तर प्रदेश में

मोहम्मद कैफ के नेतृत्व को याद करते हैं, जो एक स्टंप लगाकर सीधे उस पर थ्रो करने का अभ्यास कराते थे और कहते थे, अगर सीधे स्टंप पर थ्रो नहीं मारोगे, तो अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलेगी। इन्हीं कठिन और सटीक अभ्यास सत्रों ने उनकी फील्डिंग को मजबूत आधार दिया।

रैना की फील्डिंग को बेहतर बनाने में आदर्श खिलाड़ियों की टिप्स की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि जेंटी रोड्स जैसे महान फील्डर से तारीफ मिलना हमेशा खास होता है, क्योंकि वह हमेशा उनके आदर्श रहे हैं। भारत में उन्हें मोहम्मद कैफ और युवराज सिंह से काफी प्रेरणा मिली। युवराज सिंह पाईट और कवर पर फील्डिंग करते थे, जबकि रैना मिड-आफ पर तैनात रहते थे। उनका लक्ष्य रहता था कि गेंद

उनके बीच से न निकल पाए, जिससे भारतीय टीम के लिए एक मजबूत मध्य-फील्डिंग साझेदारी बनी। रैना ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की एक डरावनी घटना को भी साझा किया, जो आस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में इरफान पटन के साथ हुई थी। रविंद्र जडेजा गेंदबाजी कर रहे थे और डेविड वार्नर ने स्वीप शाट खेला, जिसमें गेंद उनके बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में उछल गई।रैना मिडविकेट पर थे और इरफान कैच पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे रैना ने बताया, मैं सिर्फ गेंद को देख रहा था। मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि इरफान कहाँ हैं। मुझे सिर्फ गेंद, फलडलाइट्स, दर्शक और पीछे लहराता तिरंगा दिखाई दे रहा था। जैसे ही उन्होंने कैच पूरा किया, उनकी जोरदार टक्कर इरफान पटन से हो गई। रैना ने कहा कि एक पल के

लिए उन्हें लगा कि अगर उनका सिर इरफान के शरीर से टकराता तो गंभीर चोट लग सकती थी, लेकिन शुक्र है कि सिर्फ उनका कंधा टकराया और वे कैच पकड़ने में सफल रहे। हालांकि, इस टक्कर में इरफान पटन की पसली में फ्रैक्चर हो गया था और उन्हें काफी चोट आई। इस घटना से हमने एक बड़ी सीख ली कि जिसका कैच हो, उसे जोर से आवाज लगाकर बताना चाहिए। इस घटना ने फील्डरों के बीच बेहतर संवाद की अहमियत को उनके मन में हमेशा के लिए बिठा दिया रैना ने निकर्ष निकाला कि शुरुआती वर्षों में मिला कठिन प्रशिक्षण, अनुभवी साथियों से मिली सीख और मैदान पर हुए ऐसे अनुभवों ने ही उन्हें एक ऐसा फील्डर बनाया, जिसकी फुर्ती, पूर्वानुमान क्षमता और समर्पण की लंबे समय तक प्रशंसा होती रही।

बुमराह अपनीफिटनेसबनाये रखने के लिए स्वयं उपाय करें : मैक्ग्रा



मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। उनके लगातार चोटिल होने का खतरा बना रहता है जिससे भारतीय टीम को भी नुकसान होता है। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। वहीं पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज र्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि बुमराह को अपना ध्यान स्वयं रखना होगा। मैक्ग्रा ने कहा कि बुमराह को अपनी फिटनेस बनाये रखने और अपने करियर को लंबा करने का तरीका स्वयं तलाशना होगा।

मैक्ग्रा ने कहा, यह बुमराह पर ही निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं। वे अभी युवा हैं, इसलिए उन्हें अपनी पारी को लंबा खींचने का कोई तरीका ढूंढना होगा। मैक्ग्रा ने बुमराह की चोटों का जिक्र करते हुए उन्हें एक बेहतरीन गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि बुमराह को यह तय करना होगा कि वे टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं या सिर्फ टी20 खेलना चाहते हैं। यह उनके शरीर और गेंदबाजी एक्सन पर भी निर्भर करेगा, क्योंकि जो गेंदबाज अपनी बांह को अधिक खींचते हैं, वे उस जोड़ पर थोड़ा ज्यादा दबाव डालते हैं।

मैक्ग्रा ने सभी तेज गेंदबाजों से आग्रह किया कि वे बार-बार होने वाली चोटों से बचने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने के बजाय तेज गेंदबाजी से जुड़े तनाव को स्वीकार करना सीखें। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि आजकल तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षा दी जाती है। मैक्ग्रा ने समझाया, तेज गेंदबाज होना खेल की प्रकृति है। यह स्वाभाविक क्रिया नहीं है, इसलिए चोटें खेल का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षित रखने के बजाय, उन्हें तेज गेंदबाजी के दबाव से भी ज्यादा मजबूत होना चाहिए। उनका मानना है कि महीनों तक रिहबिलिटेशन कार्यक्रम करने से फिटनेस और ताकत कम हो जाती है, जिसकी भरपाई में लंबा समय लगता है।

मैक्ग्रा ने बताया कि 1993 से 2007 तक के अपने लंबे टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कमर की गंभीर चोट लगी थी। उन्होंने कहा, जब मेरी कमर की मांसपेशी फट गई, तब मेरा वजन बहुत कम था। मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं यही करता रहा, तो मैं ज्यादा समय तक नहीं टिक पाऊंगा। इसके बाद उन्होंने केविन शेवेल के साथ काम किया, जिन्होंने उन्हें शारीरिक रूप से मजबूत बनाने में मदद की।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : दिलीप गावित ने जीता स्वर्ण, मोहम्मद बासिल को रजत

ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल ने इतिहास रच दिया। दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को ऐतिहासिक डबल पॉडियम दिलाया।

दिलीप गावित ने 10.71 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकार्ड भी बन गया। वहीं मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ रजत पदक हासिल किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोत्तोलन में मोराबाई चानू और पैरा शाटयुट में शर्मिला धनकर भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकीं हैं।

संघर्ष से शिखर तक दिलीप गावित का सफर - महाराष्ट्र के नासिक जिले के निकट स्थित छोटे से गांव तोरण डोंगरी में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बचपन में वह अपने माता-पिता के साथ खेतों में काम करते थे। महज पांच-छह वर्ष की उम्र में पैड़ से गिरने



भारतीय वायुसेना ने श्रीलंका को डिफेंडर्स एफसी को हराया, नाओरेम सोमनंद सिंह का शानदार गोल



रांची। नाओरेम सोमनंद सिंह के शानदार गोल और दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी के आत्माघाती गोल की मदद से भारतीय वायुसेना फुटबाल टीम ने 135वें इरंड कप के ग्रुप सी मुकाबले में श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को 2-1 से हराया। बिरसा मुंडा फुटबाल स्टीडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय वायुसेना के लिए नाओरेम ने 25वें मिनट में गोल किया, जबकि 68वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के के. डी. एस. सकल्पा ने गलती से गेंद अपने ही गोल में डाल दी। डिफेंडर्स की ओर से एन. एम. अफलाल ने 70वें मिनट में गोल किया। शुरुआत से ही दिखाया आक्रामक खेल भारतीय वायुसेना ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और श्रीलंकाई टीम को लगातार दबाव में रखा। 25वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के डिफेंडर संपत कुमार की गलती का फायदा उठाते हुए नाओरेम ने बाक्स के बाहर से शानदार दाएं पैर का शाट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था। दूसरे हाफ में भी भारतीय वायुसेना का दबदबा कायम रहा। 68वें मिनट में बाएं छोर से आए खतरनाक क्रास को रोकने के प्रयास में संकल्पा ने गेंद अपने ही गोल में डाल दी और भारतीय टीम की बढ़त 2-0 हो गई। दो मिनट बाद हालांकि, अफलाल ने तेज जलवाही हमले पर गोल कर डिफेंडर्स की वापसी की उम्मीद जगाई। अंतिम क्षणों में डिफेंडर्स एफसी ने बराबरी के लिए जोर लगाया, लेकिन भारतीय वायुसेना ने संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल की।

अजिंतय रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास, भावुक संदेश में कहा- हर शुरुआत का एक अंत होता है

नई दिल्ली

भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल रहाणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर अपने 20 वर्षों से अधिक लंबे क्रिकेट सफर को विराम देने का फैसला सुनाया। अपने संदेश में रहाणे ने कहा, जिंदगी को सच्चाई यही है कि हर शुरुआत का एक अंत होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया और उसकी अहमियत को समझा।

आज मुझे लगता है कि आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सहित खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का यही सही समय है। उन्होंने कहा, डॉबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में अभ्यास करने के लिए सफर करने से लेकर भारत की टोपी

पहनने तक, मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना था। मैंने हमेशा एक सिद्धांत अपनाया कि देश और टीम हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे। मैंने पूरी इमानदारी से क्रिकेट खेला और हमेशा विश्वास कि यह यदि आपकी नीयत सही हो तो खेल आपका साथ देता है।

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबर्दस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अभ्यास भले समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है। अब मैं अगली पीढ़ी की मदद करना चाहता हूं, उन्हें इस खेल से सीखे गए मूल्य देना चाहता हूं और क्रिकेट को कुछ लौटाना चाहता हूं, जिसने मुझे सब कुछ दिया।

उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), मुंबई क्रिकेट संघ, अपने साथियों, कोचों, आईपीएल फ्रैंचाइजियों, पत्नी राधिका, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, मेरे करियर में जीत भी मिली और हार भी, गलतियां भी हुईं, लेकिन एक जगह मैं कभी नहीं हारा और वह आप सभी के दिल थे। आपने हमेशा मुझे अपना माना। आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। कैप नंबर 278, अब विदा लेता हूं।

यादगार रहा रहाणे का करियर - अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट सफर मुंबई से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने दूसरे रणजी ट्राफी सत्र में 1,000 से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और जल्द ही डबल तथा वेल्लिंग्टन में शानदार पारियों से खुद को स्थापित कर लिया। 2014 में लार्ड्स टेस्ट में खेली गई उनकी 103 रन की पारी भारत की 28 वर्षों बाद

उस ऐतिहासिक मैदान पर पहली जीत की नींव बनी।

इसके बाद उन्होंने मेलबर्न, कोलंबो और दिल्ली में शतक जड़े तथा विदेशी दौड़ों पर कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। वर्ष 2020 के बाक्सिंग डे टेस्ट में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर लगाया गया उनका शतक भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे यादगार पारियों में गिना जाता है, जिसने आस्ट्रेलिया में भारत की ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत की नींव रखी।

2022 में टीम से बाहर होने के बाद रहाणे ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर वापसी की और 2023 की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल टीम में जगह बनाई। आस्ट्रेलिया के खिलाफ उस फाइनल में उन्होंने पहली पारी में 89 रन बनाकर भारत की ओर से सर्वाधिक स्कोर किया, जो उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच भी साबित हुआ। आईपीएल 2026 में वो केकेआर के कप्तान भी थे।